लेखक ने बातचीत के प्रकार को भी बताया है | एडीसन मानते है कि असल बातचीत सिर्फ दो व्यक्तियों में हो सकती है अर्थात जब दो लोग होते है तभी अपना दिल एक दूसरे के सामने खोल पाते है | लेखक के अनुसार तीन लोगों के बीच बातचीत अंगूठी में जुड़ी नग जैसी होती है | चार लोगों के बीच की बातचीत केवल फ़ार्मैलिटी होती है |

लेखक कहते है कि यूरोप के लोगों मे बातचीत का हुनर है जिसे आर्ट ऑफ कनवरसेशन कहते है | इनके प्रसंग को सुनके कान को अत्यंत सुख मिलता है | इसे सुहृद गोष्ठी कहते है |

अंततः बालकृष्ण भट्ट कहते है कि हमें अपने अंदर ऐसी शक्ति पैदा करनी चाहिय जिससे हम अपने आप
बातचीत कर लें और बातचीत का यही उत्तम तरीका है |

Scanned with CamScanner

वे कहते है कि जैसे आदमी को ज़िंदगी मजेदार बनाने के लिए खाने, पीने, चलने, फिरने इत्यादि की जरूरत है वैसे ही बातचीत भी अति आवश्यक है | इससे चित हल्का और स्वच्छ हो जाता है और मवाद जो हृदय में जमा रहता है वो भाप बनकर उड़ जाता है | बेन जानसन कहते है कि बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है |

Scanned with CamScanner

बातचीत निबंध का सारांश

बातचीत शीर्षक निबंध आधुनिक काल के प्रसिद्ध निबंधकार बालकृष्ण भट्ट द्वारा लिखा गया है जिसमे वाकशक्ति को लेखक ने ईश्वर का वरदान बताया है | बालकृष्ण जी कहते है कि वाकशक्ति अगर मनुष्य मे ना होती तो ना जाने इस गूँगी सृष्टि का क्या हाल होता | वे कहते है कि बातचीत में वक्ता को स्पीच की तरह नाज-नखरा जाहिर करने का मौका नहीं दिया जाता |

Scanned with CamScanner

लेखक परिचय

- रचनाएँ –

उपन्यास- रहस्य कथा,नूतन ब्रह्मचारी,सौ अजान एक सुजान, गुप्त वैरी,रसातल यात्रा,उचित दक्षिणा,हमारी घड़ी सद्भाव का अभाव,

नाटक- पद्मावती,किरातर्जुनीय,वेणी संहार,शिशुपाल वध,नल दमयंती शिक्षा दान, चंद्रसेन,सीता वनवास, पतित पंचम, मेघनाथ वध, कट्टर सूम की एक नकल, वृहन्नला, इंग्लैंडेश्वरी और भारत जननी,भारतवर्ष और कलि, दो दूरदेशी, एक रोगी और एक वैध, रेल का विकेट खेल,बाल विवाह

प्रहसन- जैसा काम वैसा परिणाम, नई रौशनी का विष, आचार विडंबन इत्यादि

निबंध- लगभग 1000 भट्टनिबंधमाला(निबंध संग्रह)

Scanned with CamScanner

लेखक परिचय

- जन्म-23 जून 1844
- निधन- 20 जुलाई 1914
- निवास- इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश

आधुनिक काल के भारतेन्दु युग के प्रमुख साहित्यकार

Scanned with CamScanner